No. of Printed Pages : 4 **BSKG–172**

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत कार्यक्रम

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.जी.–172 : भारतीय दर्शन के मूल सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) तीनों खण्ड अनिवार्य हैं।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

I. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×20=40

1. वेदान्त दर्शन के भक्ति सम्प्रदायों के अनुसार भक्ति के स्वरूप का स्पष्ट विवेचन कीजिए।

2. भारतीय दर्शन में 'कार्य–कारणवाद' सिद्धान्त को विभिन्न दार्शनिक मतों के आधार पर विस्तार से समझाइए।

3. जैन दर्शन के 'द्रव्यविचार' सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

3×10=30

1. बौद्ध दर्शन में त्रिपिटक क्या है ? इसे स्पष्ट करते हुए बौद्ध संगीतियों का उल्लेख कीजिए।

2. अद्वैत वेदान्त के अनुसार जीव के स्वरूप का सविस्तार विवेचन कीजिए।

3. प्रमाण के लक्षण को बताते हुए न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का वर्णन कीजिए।

4. गीता में कर्म, पुनर्जन्म एवं मोक्ष की अवधारणा क्या है ? उसे विस्तार से समझाइए।

खण्ड–ग

(टिप्पण्यात्मक प्रश्न)

III. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×6=30

1. उपमान प्रमाण
2. सत्कार्यवाद
3. चार्वाक दर्शन के सूत्र

4. क्षणिकवाद

5. समाधि

6. सामान्य पदार्थ

7. परिणामवाद

× × × × × × ×